

कृषि विश्वविद्यालय में (मैत्री) कार्यक्रम के अंतर्गत कृत्रिम गर्भाधान स्वरोजगार विषय पर 90 दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ।

भारत सरकार के राष्ट्रीय गोकुल मिशन योजनान्तर्गत तथा उत्तरप्रदेश पशुधन विकास परिषद लखनऊ द्वारा वित्त पोषित "मल्टीपर्पज आर्टिफीसियल इन्सेमिनेशन टेक्नीशियन इन रूरल इंडिया" (मैत्री) के 90 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सुभारम्भ आज दिनांक 23 सितम्बर 2026 को सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय स्थित पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय के सभागार में आयोजित किया गया। मैत्री प्रशिक्षण के 90 दिवसीय कार्यक्रम में कृत्रिम गर्भाधान को स्वरोजगार के रूप में अपनाने के लिए प्रथम चरण में कुल 38 प्रशिक्षणार्थियों जोकि अलीगढ़ एवं पीलीभीत जनपदों से आये हुए हैं उन्हें प्रशिक्षित किया जायेगा। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. त्रिवेणी दत्त ने कृत्रिम गर्भाधान को व्यवसाय के रूप में अपनाने के लिए प्रशिक्षणार्थियों को प्रेरित किया तथा पशु उत्पादन एवं पशु आधारित अर्थव्यवस्था में पशु प्रजनन की महत्ता का उल्लेख किया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण अधिष्ठाता पशु चिकित्सा एवं पशुविज्ञान महाविद्यालय डॉ. राजीव सिंह ने प्रस्तुत किया तथा कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा डॉ. मनीष शुक्ला कोर्स डायरेक्टर, द्वारा प्रस्तुत की गयी। कार्यक्रम में ग्रामीण स्वरोजगार एवं स्वावलम्बन में पशुपालन सम्बन्धी तकनीकों के योगदान की चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन डॉ. प्रमिला उमराव द्वारा किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में डॉ. अखिल पटेल, डॉ. अतुल कुमार वर्मा एवं डॉ. आशुतोष त्रिपाठी की प्रमुख भूमिका रही।







